

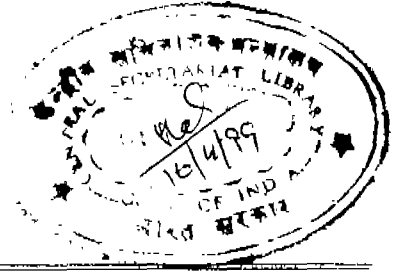


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 280]
No. 280]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, दिसम्बर 24, 1998/पौष 3, 1920
NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 24, 1998/PAUSA 3, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना संख्या 60 (आर ई-98)/1997—2002

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1998

फा. सं. 01/94/180/340/एम-99.—सांविधिक आदेश संख्या 283(अ) दिनांक 31-3-1997 द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण, भाग-2, खण्ड-3, उप-खण्ड-2 में यथा अधिसूचित निर्यात और आयात नीति, 1997—2002 के पैराग्राफ 4.11 के तहत पदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए मरानिदेशक, विदेश व्यापार प्रक्रिया पुस्तक, खण्ड-1 (संशोधित संस्करण-98), 1997—2002 में, एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

1. पैराग्राफ 10.12 के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

पैराग्राफ 10.21घ 13.1 14 और 15 के तहत की गई आपूर्तियों के संबंध में उप-ठेकेदार से मुख्य-ठेकेदार को माल की गई आपूर्ति के संबंध में मुख्य ठेकेदार परिशिष्ट-14 में उल्लिखित प्रपत्र 1-ग के अनुसार उप-ठेकेदार को भुगतान प्रमाण पत्र जारी कर सकता है। ऐसे मामलों में, मुख्य-ठेकेदार परिशिष्ट-14 में उल्लिखित परिवेचना प्राधिकारी प्रमाण पत्र और प्रमुख ठेके में उसके द्वारा बताई गई आपूर्ति और विनिर्मित माल के मान्य निर्यात लाभों हेतु पात्र होगा। इसी प्रकार, उप-ठेकेदार उसके द्वारा विनिर्मित और आपूर्ति किए गए माल की सीमा तक प्रक्रिया पुस्तक के परिशिष्ट-14 में क्या उल्लिखित मूल्य के अनुसार मान्य निर्यात लाभों का पात्र होगा।

उप-ठेकेदार के दायरे पर विचार करते समय उसे सम्पूर्ण आपूर्तियों हेतु, मुख्य ठेकेदार को परिवेचना प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए भुगतान प्रमाण पत्र की एक प्रति के साथ-साथ अन्य निर्धारित दस्तावेजों के अलावा मुख्य ठेकेदार से प्राप्त भुगतान की भी एक प्रति देनी होगी जिसमें बैंकिंग माध्यम के द्वारा उप-ठेकेदार द्वारा की गई आपूर्तियों के लिए मुख्य ठेकेदार द्वारा किए गए भुगतान की प्राप्ति के बारे में बताया गया हो।

(i)

2. परिशिष्ट-14क के पैराग्राफ 2 के तीसरे वाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा :-

"जो वह प्रमाणित किया जाता है कि उप-ठेकेदार द्वारा आपूर्ति किए गए माल के संबंध में अपने/मुख्य ठेकेदार द्वारा भारतीय रूप में सीधे भुगतान किया जाएगा "।

3. सार्वजनिक सूचना के साथ संलग्न फार्म 1-ग को परिशिष्ट-14स में फार्म 1-ग के रूप में शामिल किया जाएगा ।

4. परिशिष्ट 14स के फार्म 1-क के पैराग्राफ 4 को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :-

"अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगी बोली या सीमित विषयवर्षी निविदा के तहत निर्मित रिफाइनरीज सहित अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगी बोली या तेल और गैस क्षेत्र की सक्रियता के तहत निर्मित पवन में ऐसी परियोजनाओं को माल की आपूर्ति, जिनके संबंध में वित्त मंत्रालय ने घरेलू आपूर्तियों हेतु मान्य-निर्वात के लाभ की सुविधा प्रदान की है।"

इसे लोक छित में जारी किया जाता है ।

एन० एल० लखनपाल, महानिदेशक विदेश व्यापार

फार्म - 1ग

उप ठेकेदार जिसका नाम नीति के पैराग्राफ 10.2 की श्रेणियों ४घ, ४ड, ४च और ४छ की मुख्य संविदा में है के द्वारा की गई आपूर्तियों के लिए मुख्य ठेकेदार द्वारा जारी किया गया भुगतान प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नीचे वर्णित और बीचक सं० _____ दिनांक _____ में दी गई मात्रा और मूल्य की वस्तुएं हमें विक्रय आदेश सं० _____ दिनांक _____ के आधार पर दिनांक _____ को सप्लाई कर दी गई है और हमने उप-ठेकेदार नामशः मै० _____ को _____ रुपये की राशि ४शब्दों और अंकों में _____ दिनांक _____ को संविदा सं० _____ दिनांक _____ की शर्तों के अनुसार अदा की है जो कि सप्लाई किए गए माल/कम्प्यूटर्स/उपकरणों/पूँजीगत माल के मूल्य की _____ प्रतिशत है ।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि हमने उप ठेकेदार द्वारा सप्लाई की गई ऐसी वस्तुएं/कम्प्यूटर्स/उपकरण/पूँजीगत माल संविदा सं० _____ दिनांक _____ के लिए प्रोबैक प्राधिकारी को सप्लाई कर दी है और बीचक सं० _____ दिनांक _____ के लिए _____ ४दिनांक _____ को भुगतान प्राप्त कर लिया है ।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि हमने बीजक में दिए गए स्थान और मूल्य के अनुसार सत्याई स्वीकार कर ली है ।

दिनांक _____
स्थान _____

हस्ताक्षर _____
नाम _____
पदनाम _____
मुख्य ठेकेदार का नाम _____

क्रम सं०	माल का विवरण	उप ठेकेदार				ठेकेदार			
		बीजक सं०	दिनांक	मूल्य	भुगतान की तारीख	बीजक सं०	दिनांक	मूल्य	भुगतान की तारीख

MINISTRY OF COMMERCE

Public Notice No. 60 (RC-98)/1997—2002

New Delhi the 24th December, 1998

F. No. 01/94/180/340/AM-99.—In exercise of powers conferred under paragraph 4.11 of the Export and Import Policy, 1997—2002, as notified in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) vide S. O. No. 283(E) dated 31-3-1997, the Director General of Foreign Trade hereby makes following amendment in the Handbook of Procedures (Volume I) (R.E.-98), 1997—2002 :

1. The following may be added at the end of paragraph 10.12:

In respect of supplies made by sub contractor to the main contract under paragraph 10.2 (d) (e) (f) and (g), the main contractor may make payment to the sub contractor and issue payment certificate in the form given in Appendix 14B as form 1-C. In such cases, main contractor shall be eligible for deemed exports benefits only to the extent of goods manufactured and supplied by him as indicated in the main contract and the project authority certificate given in Appendix 14-A. Similarly, the deemed exports benefits to the sub contractor would be available to the extent of goods that are manufactured and supplied by him for the value as indicated in Appendix 14-A of Handbook.

While entertaining the claim of sub contractor, the sub contractor would be required to submit a copy of payment certificate issued by project authority to the main contractor for the entire supplies as well as payment certified from the main contractor indicating receipt of payment from main contractor to the extent supplies effected by sub contractor through banking channel, in addition to other prescribed documents.

2. The third sentence of paragraph 2 of Appendix 14A shall be amended to read as under:

"It is further certified that the payment in respect of the goods to be supplied by the sub contractor will be made directly by us/main contractor in Indian rupees".

3. The form 1-C enclosed with the Public Notice shall be incorporated in Appendix 14B as form 1-C.

4. Paragraph 4 of form 1-A of Appendix 14B shall be amended to read as follows:

"Supply of goods to such projects in the power sector made under the procedure of International Competitive Bidding or Oil and Gas sector, including refineries, made under International Competitive Bidding or Limited Global Tender, in respect of which the Ministry of Finance extends the benefit of deemed exports to domestic supplies".

This issues in public interest.

N L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade

FORM 1-C

Certificate of payment to be issued by the main contractor for supplies made by sub contractor whose name appear in the main contract to categories (d) (e) (f) & (g) of paragraph 10.2 of the Policy.

Certified that the goods of quantity and value as described below and in invoice No. _____ dated _____ have been supplied to us on date _____ against purchase order No. _____ dated _____ and we have paid to the sub-contractor namely M/s _____ the sum of rupees (figure and words) _____ on _____ (date) being _____ percent of the value of the goods/ components/ equipment/ capital goods supplied as per terms of the contract No. _____ dated _____ entered into with the sub contractor.

It is also certified that we, the main contractor have supplied such goods/ components/ equipments/ capital goods supplied by the sub contractor to the project authority against contract no. _____ dated _____ and have received payment on _____ (date) against invoice No. _____ dated _____.

It is also certified that we have accepted the supplies at the site at the price stated in the Invoice.

Signature _____

Name _____

Designation _____

Date:

Place:

Name of the main contractor

S.NO.	DESCRIPTION OF GOODS	Qty	SUB-CONTRACTOR				CONTRACTOR			
			INVOICE NO.	DATE	VALUE	DATE OF PAYMENT	INVOICE NO.	DATE	VALUE	DATE OF PAYMENT

3378-G1/98

